Dainik Bhaskar (Indore), 30th September 2022, Page-02

शहरी मंत्रालय के साथ एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर, संस्थान स्वच्छता व अपशिष्ट प्रबंधन का प्रशिक्षण भी देगा

IIM में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए 19.95 करोड़ की ग्रांट, यहां पढ़ाएंगे सफाई का पाठ

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंदौर की स्वच्छता का पाठ पढ़ाने के लिए आईआईएम इंदौर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) बनने जा रहा है। इसके लिए संस्थान को गुरुवार को 19.95 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय व आवास और शहरी मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी रूपा मिश्रा ने दिल्ली में एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए। मंत्री हरदीपसिंह पुरी ने दिल्ली में 'स्वच्छ शहर संवाद और टेक प्रदर्शनी' के दौरान सीओई का अनावरण किया। उन्होंने कहा पहले भी कुछ सीओई की स्थापना हुई, किंतु जब यह 'स्वच्छता' पर केंद्रित हो जाए और उच्चतम शैक्षणिक व्यवस्था प्रदान करने लगे, तो निश्चिंत हो जाना चाहिए कि हम सही और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अग्रसर हैं।

आईआईटी इंदौर की साझेदारी में इन्क्यूबेशन सेंटर की योजना

एग्रीमेंट के दौरान आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय।

प्रो. राय ने बताया आईआईएम इंदौर को मंत्रालय से 19.95 करोड़ का अनुदान मिला। शहर ने स्वच्छता में महारत हासिल की और प्रशासन द्वारा लागू योजना और निष्पादन की दुनियाभर में सराहना हुई। ऐसे में यह अनुबंध सीओई स्थापित करने पर केंद्रित है, जो महापौर, पार्षदों सहित राजनीतिक नेतृत्व के लिए प्रशिक्षण और विकास पाठ्यक्रमों को डिजाइन और कार्यान्वित करेगा। इससे उनकी क्षमता और कौशल को विकसित और सुदृढ़ किया जा सकेगा। यह प्रशिक्षण शहरी स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के लिए उनकी क्षमता को मजबूत करेगा। सीओई नगर निगमों, स्थानीय निकायों, व्यवसायों और सेवा संगठनों के बीच मध्यस्थ का काम करेगा। हम आईआईटी इंदौर की साझेदारी में एक इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। जॉइंट सेक्रेटरी मिश्रा ने कहा सीओई आईआईएम परिसर में ही स्थापित होगा। यह स्मार्ट-क्लासरूम युक्त होगा। मंत्रालय तीन साल तक सीओई की सहायता करेगा।